कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा फसल अवशेष प्रबन्धन पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, भाकृअप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, बरेली द्वारा दिनाॅंक 28 अगस्त, 2018 को फसल अवशेष प्रबन्धन विषय पर कृषकों में जागरूकता एवं क्षमता विकास हेतु एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में क्यारा विकास खण्ड के खजुहाई गाॅंव के 40 कृषकों ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में कृषकों को जानकारी दी गयी कि कृषकों द्वारा जलाये गये फसल अवशेष का सीधा प्रभाव खेत की उत्पादकता के साथ -साथ मानव स्वास्थ्य, मृदा स्वास्थ्य, प्रयावरण एवं परिवहन आदि पर भी पड़ता है। डा. बी.पी.सिहं प्रभारी कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा पावरपाॅइन्ट के माध्यम से देश एवं प्रदेश में जलाये गये फसल अवशेषों की स्थति तथा होने वाले नुकसान के बारे में बताया गया। श्री राकेश पाॅंडे वस्तु विषय विशेषज्ञ द्वारा फसल अवशेषों के प्रबन्धन हेतु उपलब्ध मशीनों /उपकरणों जैसे हेप्पी सीडर, फर्टी सीड ड्रिल, जीरो टिलेज मशीन आदि की उपयोगिता के बारे में तथा कृषक उनका उपयोग किस प्रसार कर सकते है आदि के बारे में विस्तार से बताया गया। इस कार्यक्रम में कृषकों को फसल अवशेषों के प्रबन्धन के लिये वेस्ट डिकम्पोजर नामक तकनीक के बारे में भी जानकारी दी गयी तथा इसका प्रदर्शन भी कृषकों को दिखाया गया। इस कार्यक्रम में आये कृषकों को नेपियर घास के प्रदर्शन तथा कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रक्षेत्र प्रदर्शन का भी भ्रमण कराया गया, ताकि कृषक नेपियर धास की खेती कर पशुओं को वर्ष भर हरे चारे की उपलब्धता करा सके। इसके अतिरिक्त कृषकों को कृषि विज्ञान केन्द्र की अन्य गतिविधियों तथा संस्थान द्वारा विकसित तकनीकियों के बारे में भी बताया गया।